सांध्य दैनिक 4PM

अच्छे कर्मों से ही आप ईश्वर को पा सकते हैं। अच्छे कर्म करने वालों की ही ईश्वर मदद करता है।

–गुरु गोबिंद सिंह

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 86 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 30 अप्रैल, 2025

दक्षिण अफ्रीका पर भारी पड़ीं भारत... 7 | क्या इस बार बिहार में टूटेगा... 3 | भाजपा के सभी हथकंडे... 2

4PM बंद होने पर देश भर में हंगामा

अखिलेश यादव और तेजस्वी ने कहा लोकतंत्र की हत्या, संजय राउत बोले सरकार की बैंड बजा देगा ये कदम

सरकार ने बंद की आवाज तो समर्थन में उमड़ा जनसैलाब | सामाजिक संगठनों से लेकर राजनीतिक दलों ने उठाई 4PM के पक्ष में आवाज

» पूर्व मुख्यमंत्री ने 4PM के पक्ष में बुंलद की आवाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 4पीएम की आवाज को बंद करने की कोशिश करने की साजिश लंबे समय से जारी थी। विरोधी लगातार चालें चल रहे थे और हर वह हथकंडे अपनाये गये जिसके जरिये 4पीएम की आवाज को दबाया जा सके। लेकिन न हम दबे और न ही हम झुके। जनता का मूड, जनता के मुद्दे और जनता की आवाज बन हमने संविधान प्रहरी का काम किया।

4पीएम की यही बात सरकार को अखर गयी और उसने आवाज पर ताला लागने की नीयत से चैनल को बंद कर दिया। बहरहाल जनता का जनसमर्थन, सामाजिक संगठनों की आवाज और राजनीतिक व्यक्तियों का साथ 4पीएम की ऐसी ताकत बन रहा है कि सरकार को बैकफुट पर जाना ही पड़ेगा।

सरकार आदेश को तुरंत वापस ले : यशवंत सिन्हा

अटल सरकार में वित्तमंत्री, इंडिया गठबंधन के राष्ट्रपति उम्मीदवार रहे व भाजपा के पूर्व सांसद यशवंत सिन्हा ने भी 4पीएम का साथ दिया। उन्होंने कहा कि मैं 4पीएम यूट्यूब चैनल को बंद करने के सरकारी आदेश की कड़ी निंदा करता हूँ। यह आदेश क्रूर और तानाशाहीपूर्ण है। सरकार को इस आदेश को तुरंत वापस लेना चाहिए।

डरी हुई भाजपा का असली चेहरा हुआ उजागर : अखिलेश

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखते हुए कहा है कि 'पाबंदी' अंत की ओर बढ़ती 'भयभीत सत्ता' की निशानी होती है। उन्होंने कहा कि लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4पीएम को बंद करने या किसी लोकगायिका पर एफ़आइआर के पीछे असली वजह दर्शकों के बीच नकारे जा चुके उन बड़े न्यूज चैनलों को बचाने की है जिनका सत्ता से वो नालबद्ध संबंध है, जिसका आर्थिक सिद्धांत है 'जिसका दाना, उसका गाना'। इन जुमलाई चैनलों का झूठ अब सिर्फ वही देख रहा है, जो आज तक ये नहीं समझ पाया है कि उसकी भावनाओं का शोषण करके उसे लगातार मूर्ख बनाया जा रहा है और बनाए रखा भी जा रहा है। उन्होंने लिखा है कि ऐसी पाबंदियों से सबसे अच्छी बात ये हुई है कि आम जनता के सामने डरी हुई भाजपा के चेहरे का खुलासा हो गया है। भाजपा जिस झूठ के सहारे खड़ी थी, सत्ता के लाउडस्पीकर बने उन डूबते चैनलों में भगदड़ मची है, कोई इधर से उधर जा रहा है, कोई उधर से इधर आ रहा है, आपस में पाले बदले जा रहे हैं लेकिन इन सत्ता समर्थित न्यूज चैनलों को दर्शक नहीं मिल पा रहे हैं। कोई अपने कर्मचारियों को परफ़ॉर्मेंस सुधारने का नोटिस थमा रहा है लेकिन इनसे कुछ होनेवाला नहीं क्योंकि इनके समाचारों में उस सत्य के सिवा बाकी सब कुछ है, जो जनता के विश्वास की नींव होता है।

रिव्यू के लिए कैबिनेट सचिव को चिट्ठी

आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कैबिनेट सचिव, भारत सरकार को प्रत्यावेदन भेज कर 4पीएम सहित अन्य यूट्यूब चैनल को प्रतिबंधित किए जाने के संबंध पुनरीक्षा किए जाने का अनुरोध किया है। अपने प्रतिवेदन में उन्होंने कहा है कि भारत में किसी भी यूट्यूब चैनल, इंटरनेट, वेबसाइट आदि को दूरसंचार सेवाओं का अस्थाई निलंबन नियम 2017 के अनुसार गृह सचिव, भारत सरकार द्वारा अस्थाई रूप से प्रतिबंधित किया जा सकता है। इस नियम के अनुसार इस निलंबन के 5 दिनों के अंदर कैबिनेट सचिव, भारत सरकार की अध्यक्षता वाली रिव्यू कमेटी द्वारा इस आदेश का पुनरीक्षण किया जाना आवश्यक है। अमिताभ ठाकुर ने कहा है कि विश्व पटल पर भारत की निरंतर नियमों का पूर्ण रूप से पालन किए जाने की प्रतिष्ठा रही है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा तथा अन्य आयामों को देखते हुए जहां तक संभव हो, अपने निर्णय और उसके कारणों को सार्वजनिक पटल पर रखने का भी अनुरोध किया है, ताकि नियमों के पालन के संबंध में पूर्व से बनी भारत की प्रतिष्ठा अबाध गति से बरकरार रहे।

जनता की आवाज दबा रही एनडीए सरकार : तेजस्वी

लोकहित और जनसरोकार के मुद्दे उठाने वाले पत्रकारों, चैनलों और यूट्यूब चैनलों पर तानाशाही एनडीए सरकार प्रहार कर उन्हें बंद करवा जनता की आवाज दबा रही है। सरकार से निरंतर सवाल करने वाले 4पीएम यूट्यूब चैनल को रातों रात बंद क्यों किया गया?

प्रवेश जैन ने एक्स पर लिखते हुए कहा है कि सरकार के कंधे आलोचना को झेलने के लिए काफी चौड़े होने चाहिए। 4पीएम नेटवर्क पर प्रतिबंध लगाना हर तरह से गलत है। अगर यू ट्यूब चैनल देश की सुरक्षा के खिलाफ काम कर रहा है तो सबसे पहले उन्हें नोटिस दिया जाना चाहिए, अगर उनका जवाब संतोषजनक नहीं है तो एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए और फिर जरूरत पड़ने पर प्रबंध संपादक पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। लेकिन लोकतांत्रिक देश में कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। - प्रवेश जैन

सरकार का यह अन्यायपूर्ण फैसला : संजय राउत

शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने 4पीएम पर सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाने की आलोचना की है। रास सांसद राउत ने कहा कि सरकार का यह अन्यायपूर्ण फैसला एक दिन उसकी ही बैंड बजा देगा।

भाजपा के सभी हथकंडे जनता करेगी फेल : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख का दावा- यूपी में जो लोस जीतता है प्रदेश में बनती है उसी की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में जो लोकसभा चुनाव जीतता है, प्रदेश में उसी की सरकार बनती है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा कोई गड़बड़ी नहीं कर पाएगी। भाजपा पहले के चुनावों में बेईमानी के सारे हथकंडे अपना चुकी है। वोटर लिस्ट में धांधली, वोट कटवाना और अधिकारियों की पोस्टिंग में भेदभाव के तरीके अपनाए। इनके सब हथकंडे अब जनता जान चुकी है।

समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हरा चुकी है। एक कार्यक्रम में अखिलेश ने कहा कि यूपी में इंडिया गठबंधन मजबूत है। समाजवादी पार्टी गठबंधन सहयोगियों को साथ लेकर चलेगी। इंडिया गठबंधन में जो पार्टी जिस राज्य में मजबूत होगी, उसी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। यही गठबंधन बनने का आधार था। समाजवादियों की लड़ाई भाजपा और उसकी उस विचारधारा वाले संगठन से है, जो अंग्रेजों की तरह फूट डालो-राज करो की नीति पर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में सपा के सांसद रामजीलाल सुमन और दलित भाइयों के साथ बड़ा अन्याय हो रहा है। जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार है। पहलगाम पर कहा कि सवाल यह है कि इस मामले में लापरवाही किसकी है। सरकार ने सुरक्षा क्यों नहीं दी। साथ ही कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा और कृषि क्षेत्र पर काम नहीं कर रही है।

जिनकी अपनी कोई पहचान नहीं थी , वही लोग यूपी को बदनाम कर रहे

अखिलेश यादव ने कहा कि 2017 से पहले जिनकी अपनी कोई पहचान नहीं थी, वही लोग उत्तर प्रदेश को बदनाम करने के लिए कहते हैं कि यूपी की 2017 से पहले कोई पहचान नहीं थी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सपनों में भी एक्सप्रेसवे बनाती है। बड़ी-बड़ी होर्डिंग लगाकर प्रचार किया कि प्रदेश में 17 एक्सप्रेसवे बन रहे हैं। जब हमने गिनती कर सवाल उठाया तो सरकार कह रही है कि 6 एक्सप्रेसवे बन गए। 7 प्रस्तावित हैं।

दलित विरोधी अखिलेश कर रहे बाबा साहेब का अपमान : बृजेश पाठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के होर्डिंग में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आधी तस्वीर काटकर उस हिस्से में अखिलेश यादव की तस्वीर लगाए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे घोर आपत्तिजनक करार देते हुए कहा कि यह बाबा बाबा साहब का अपमान है।

डिप्टी सीएम ने जारी अपने बयान में कहा कि हम आंबेडकरवादी लोग बाबा साहब का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। अखिलेश का कृत्य दलित विरोधी है। उन्होंने अपने शासन में दलित कर्मियों के प्रमोशन में आरक्षण पर रोक लगाई थी, जिससे लाखों दलित अधिकारियों और कर्मचारियों को डिमोशन का दंश झेलना पड़ा था। दलित समाज अभी तक इसे भूला नहीं है।

आंबेडकर के आधे चेहरे के साथ अपनी तस्वीर लगाने पर माफी मांगे अखिलेश : निर्मल

आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष और भाजपा के विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने सपा के होर्डिंग में डॉ. भीमराव आंबेडकर की आधी तस्वीर काटकर उस हिस्से में अखिलेश यादव की तस्वीर लगाए जाने पर कड़ी आपत्ति की है। इसे बाबा साहब का अपमान बताया है। डॉ. निर्मल ने कहा अगर अखिलेश यादव के दिल में बाबा साहब के प्रति थोड़ा भी सम्मान है तो उन्हें बाबा साहब की आधी तस्वीर के साथ अपनी जोड़ी गई तस्वीर को तत्काल हटाना चाहिए। इसके लिए दलित समाज से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए। निर्मल ने कहा कि हम आंबेडकरवादी लोग बाबा साहब का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने अपने शासनकाल में दलित कार्मिकों के प्रमोशन में आरक्षण पर रोक लगाई। इससे लाखों दलित अधिकारियों और कर्मचारियों को डिमोशन का दंश झेलना प?ा। दलित समाज अभी तक इसे भूला नहीं है। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख दलितों को अपमानित करने का कोई भी मौका नहीं छो?ते। इस तरह की तस्वीर लगाकर वे दलित समाज को यह बताना चाहते हैं कि वे बाबा साहब के बराबर हैं। लेकिन, इससे दलित समाज आहत है।

बीना में चुनाव कराने से क्यों डर रही भाजपा : उमंग सिंघार

» नेता प्रतिपक्ष ने बीजेपी से पूछे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। एमपी के बीना से विधायक निर्मला सप्रे को लेकर बीजेपी-कांग्रेस में एक बार फिर से जंग छिड़ गई है। निर्मला सप्रे को बीजेपी की नगर मंडल कार्यसमिति में स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाने के मामले पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बीजेपी से सवाल पूछे हैं।

भोपाल में मीडिया से चर्चा में उमंग सिंघार ने निर्मला को बीजेपी का स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाने और बाद में इसे टाइपिंग मिस्टेक बताने पर कहा कि भाजपा के लोग अगर कहते हैं कि गलती से निर्मला सप्रे का नाम लिस्ट में आया है तो भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ये स्पष्ट करें कि बीजेपी ने उनको (निर्मला सप्रे) एक्सेप्ट किया है या नहीं? भाजपा अगर मैदान में आकर चुनाव ल?ना चाहती है तो चुनाव कराने में देरी क्यों करा रही है? आपने संगठन के जरिए विधानसभा अध्यक्ष को निर्णय लेने से क्यों रोका? नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इसी कारण से हम लोग हाईकोर्ट गए हैं। 16 मई को हाईकोर्ट ये तय करेगा कि इस मामले को इंदौर खंडपीठ सुनेगी या जबलपुर हाईकोर्ट में सुनवाई हो। मैं वहां का रहने वाला हूं। इसलिए मैंने इंदौर खंडपीठ में याचिका लगाई थी। अब इसमें भी राजनीति हो रही है।

इसलिए बढ़ा विवाद

दरअसल कांग्रेस की टिकट पर चुनाव जीतने के बाद बीजेपी में शामिल हुई सप्रे ने अभी तक अपने विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया है। वहीं भाजपा की मंडल कार्यसमिति में उनका नाम आने से विवाद और गहरा गया है। पार्टी ने उन्हें बीना नगर मंडल का स्थाई आमंत्रित सदस्य घोषित कर दिया था, जिसे बाद में 'गलती' बताते हुए हटा दिया गया। जिसके बाद कांग्रेस ने उनकी सदस्यता को लेकर एक बार फिर सवाल उठाए हैं।

बामुलाहिज़ा
कार्टून : हसन जैदी

जय श्री राम कह सकते हैं तो अल्लाहु अकबर क्यों नहीं : महबूबा मुफ्ती

» पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अध्यक्ष ने कहा- धर्म के नारों को गलत संदर्भों में घसीटा जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने पहलगाम आतंकी हमले के दौरान वायरल हुए एक वीडियो में जिपलाइन ऑपरेटर द्वारा अल्लाहु अकबर कहे जाने पर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैल रही सांप्रदायिकता पर चिंता जताते हुए कहा कि धर्म के नारों को गलत संदर्भों में घसीटा जा रहा है।

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक बातें कर रहे हैं। मुसलमान अल्लाहु अकबर कहते हैं, जैसे हम श्री राम कहते हैं। जब भी हम किसी कठिनाई में होते हैं, तो अल्लाहु अकबर कहते हैं। केंद्रीय सरकार से उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर बदनाम करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। भारत सरकार को सोशल मीडिया पर हिंसा फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सरकार से उन पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के फैसले पर पुनर्विचार करने की गुजारिश की, जिन्होंने भारतीयों से शादी की है और कई वर्षों से यहां रह रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। मुफ्ती ने एक्स पर कहा, हाल ही में भारत से सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के सरकारी निर्देश ने गंभीर मानवीय चिंताएं पैदा की हैं, खास तौर पर जम्मू कश्मीर में। इससे प्रभावित होने वाली कई महिलाएं हैं, जो 30-40 साल पहले भारत आई थीं, भारतीय नागरिकों से शादी की, परिवार बसाया और लंबे समय से हमारे समाज का हिस्सा रही हैं। उन्होंने कहा कि दशकों से भारत में शांतिपूर्वक रह रहे लोगों को निर्वासित करना अमानवीय होगा और इससे उनके परिवारों पर गहरा भावनात्मक संकट आएगा। मुफ्ती ने कहा, हम सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने तथा महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करते हैं। पूर्व आतंकवादियों से विवाहित कई पाकिस्तानी महिलाएं 2013 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की नीति के तहत कश्मीर आ गईं। इस नीति के तहत उन आतंकवादियों का पुनर्वास संभव हुआ, जो हथियार प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान या पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर गए थे, लेकिन हिंसा का त्याग कर घाटी में वापस लौटना चाहते थे।

बिहार को टायर्ड मुख्यमंत्री और रिटायर्ड अधिकारी की जरूरत नहीं : तेजस्वी यादव

» राजद नेता ने जनता से मांगा मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय के कर्पूरी सभागार में राजद व्यवसायिक प्रकोष्ठ की ओर से दानवीर भामाशाह की जयंती मनायी गई। तेजस्वी यादव ने अपने संबोधन के दौरान केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि बिहार को टायर्ड मुख्यमंत्री और रिटायर्ड अधिकारी की जरूरत नहीं है। समाज को जोड़ने में आप सभी लोग सहयोग करें। हम आपको भयमुक्त वातावरण देने का कार्य करेंगे। आपलोग नया बिहार बनाने के लिए एक साथ मिलकर हमें मौका दीजिए, हम आपको नया बिहार बनाकर देंगे। आपसभी को पता है कि 17 महीने के महागठबंधन सरकार ने बिहार में व्यापार और व्यापारियों को आगे बढ़ने का मौका दिया, जहां 50 हजार करोड़ का निवेश हुआ। वहीं पांच लाख से ऊपर लोगों को सरकारी नौकरियां दी जिसमें सभी वर्गों और समाज के लोगों को नौकरी मिली। 3.50 लाख रिक्तियां छोड़कर आये थे उसे भी डबल इंजन सरकार भर नहीं पायी है।

क्या इस बार बिहार में टूटेगा गठबंधनों का दौर!

राजद-जदयू की ताकत ने कांग्रेस को हासिए पर डाला

» 1985 के बाद कोई एक दल की सरकार नहीं बनी

» भाजपा को मिला पहले समता पार्टी फिर जदयू का सहारा

» बिहार में आई राजद, शुरू हुआ क्षेत्रीय पार्टियों का दबदबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। इसे लेकर जदयू से लेकर राजद और भाजपा से लेकर कांग्रेस तक ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बिहार की इस सियासत में गठबंधन की राजनीति की बड़ी भूमिका रही है। यहां राष्ट्रीय के साथ क्षेत्रीय दलों की पैठ लंबे समय से है। आलम यह है कि बिहार में आखिरी बार किसी दल की अकेले दम पर सत्ता 1985 के चुनाव में आई थी। इसके बाद से हुए अगले आठ चुनावों में गठबंधन की ही सरकार बनी है।

उसके बाद से गठबंधनों का दौर ही चल रहा है। क्या 2025 के विधान सभा चुनावों में भी गठबंधनों का जलाव रहेगा ये देखना होगा। पर जिस तरह से पिछले दस बारह सालों से दिखाई दे रहा है उसके हिसाब से तो यह मिथक टूटता नहीं दिख रहा है। गठबंधन के इस दौर में क्षेत्रीय दलों का रसूख भी लगातार बढ़ा। कांग्रेस का प्रभाव कैसे कमजोर हो गया? राजद और जदयू किस तरह बिहार के चुनावी पटल पर स्थापित हो गईं? 1990 से लेकर 2020 तक चुनावों में किस दल की क्या स्थिति रही?। 1988 में कई दलों के विलय से जनता दल बना। 1990 के चुनाव में जनता दल 122 सीटें जीतकर सबसे बड़ा दल बना। भाजपा के समर्थन से सत्ता में आया और लालू प्रसाद यादव मुख्यमंत्री बने। पहली बार किसी गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री ने अपना कार्यकाल पूरा किया। 1990 का चुनाव इस लिहाज से भी अहम रहा कि इनके बाद रा'य में एक कार्यकाल में कई मुख्यमंत्रियों का दौर खत्म हो गया। लालू 1995 तक बेरोकटोक सरकार चलाने में भी सफल रहे। हालांकि, इसी दौर में राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर जनता दल का कमजोर होना शुरू हुआ। 1994 में नीतीश कुमार, जॉर्ज फर्नांडिस जनता दल से अलग हुए और समता पार्टी बनाई। आरोप था कि लालू प्रसाद यादव बिहार में वोटबैंक की राजनीति कर रहे हैं।

नीतीश कुमार का उदय और मजबूत हुई क्षेत्रीय दलों की विरासत

2000 में खंडित जनादेश के चलते सरकार बनाने की जंग छिड़ गई। नीतीश कुमार ने अपनी समता पार्टी के लिए भाजपा और अन्य दलों के गठबंधन के जरिए पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हालांकि, उनके पास कुल-मिलाकर भी महज 151 विधायकों का ही समर्थन था, जो कि बहुमत के आंकड़े 160 से कम ही था। इसके चलते नीतीश को 7 दिन में ही अपना पद छोड़ना पड़ा। बिहार की कमान एक बार फिर राजद के हाथों में आ गई और लालू के जोड़-तोड़ की बदौलत राबड़ी देवी फिर मुख्यमंत्री बनीं।

दो क्षेत्रीय दल साथ आए, राष्ट्रीय दल अलग पहचान नहीं बना पाए

2015 के विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश और लालू दशकों बाद साथ आए। जदयू-राजद-कांग्रेस ने मिलकर महागठबंधन बनाया। इस गठबंधन ने 240 में से 178 सीटें हासिल कीं। राजद-जदयू ने बराबर 101-101 सीटें बांटीं, वहीं कांग्रेस को 41 सीटें मिलीं। जहां राजद 80 सीट जीतकर सबसे बड़ा दल बना। जदयू को 71 सीटें मिलीं। राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस 27 सीट जीतने में सफल रही। नीतीश फिर से मुख्यमंत्री बने। वहीं, लालू यादव के दोनों बेटे उनकी कैबिनेट का हिस्सा बने। लालू के छोटे बेटे तेजस्वी को डिप्टी सीएम बनाया गया। एनडीए को 58 सीटों से संतोष करना पड़ा। राष्ट्रीय पार्टी भाजपा ने एनडीए का नेतृत्व जरूर किया, लेकिन क्षेत्रीय दलों की चमक के आगे उसे सिर्फ 50 सीटें मिलीं। लोजपा और रालोसपा को दो-दो और जीतनराम मांझी की हिंदुस्तानी आवामी मोर्चा (हम) को एक सीट ही मिली। लेफ्ट फ्रंट को सिर्फ तीन सीटें ही मिलीं। दूसरी ओर सपा, राकांपा, जाप जैसी पार्टियों का सोशलिस्ट सेक्युलर मोर्चा एक भी सीट नहीं जीत सका। तीन निर्दलीय भी जीतने में सफल हुए। नीतीश कुमार ने 2017 के मध्य में भ्रष्टाचार के आरोप झेल रहे लालू परिवार से खफा होकर राजद से गठबंधन तोड़ दिया और भाजपा के समर्थन से फिर मुख्यमंत्री बन गए। यानी एक बार फिर क्षेत्रीय दल किंग बना और राष्ट्रीय पार्टी बनी किंगमेकर।

जनता दल की टूट के बावजूद मजबूत रहे लालू

1995 के चुनाव में भले ही नीतीश और लालू साथ नहीं थे, लेकिन दोनों की अलग-अलग पार्टियां अभी भी अस्तित्व में नहीं थीं। लालू ने जनता दल का नेतृत्व जारी रखा और 167 सीटों पर फिर जीत हासिल की। इस चुनाव में भाजपा को 41 सीट और कांग्रेस को 29 सीटें मिलीं। समता पार्टी को सात और झामुमो को 10 सीट मिलीं। लालू प्रसाद यादव एक बार फिर मुख्यमंत्री बने। हालांकि, 1997 आते-आते लालू पर चारा घोटाले के आरोप लगे और उन्हें बिहार के मुख्यमंत्री पद से हटना

पड़ा। लालू ने अपनी पत्नी राबड़ी देवी के हाथ में सत्ता सौंप दी। इसी दौर में लालू ने अपना अलग राष्ट्रीय जनता दल (राजद) बनाया। इसके बाद बिहार की सियासत में क्षेत्रीय दलों का दबदबा कायम है।

राष्ट्रीय दल कभी हासिल नहीं कर पाए किसी क्षेत्रीय दल से ज्यादा सीटें

बिहार में क्षेत्रीय दलों का दौर शुरू होने के बाद से ही राष्ट्रीय दल कभी भी उनसे आगे नहीं निकल पाए। यानी वजह रही कि बिहार में हमेशा स्थानीय पार्टियों के ही मुख्यमंत्री बने हैं। बिहार में भाजपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 91 सीट हासिल करने का है, जो उसे 2010 के विधानसभा चुनावों में मिलीं। लेकिन इसी चुनाव में उसके साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही जदयू को 115 सीटें हासिल हुई थीं। इसी तरह 2020 में भले ही भाजपा ने 74 सीटें हासिल कर लीं, लेकिन राजद 75 सीटें पाकर सबसे बड़ा दल बना और बिहार की राजनीति में क्षेत्रीय दल का दबदबा कायम रखा।

2005 के विधानसभा चुनाव

बिहार में फरवरी 2005 में फिर चुनाव हुए। यह पहले चुनाव थे, जब झारखंड अलग राज्य बन चुका था और बिहार में कुल सीटों की संख्या 240 पर आ चुकी थी। राजद ने 215 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, लेकिन उसे 75 सीटें मिलीं। एनडीए गठबंधन में लड़ रही जदयू ने 108 सीटों पर चुनाव लड़ा, वह 55 सीटें हासिल कर सका। 100 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा को दहाई सीटें मिलीं। इस तरह 92 सीटें जीतने वाला एनडीए भी बहुमत से दूर रह गया। इस चुनाव में 29 सीट पाने वाली लोजपा भी प्रमुख क्षेत्रीय दल के तौर पर उभरी। लेकिन गठबंधन की कोशिशें सफल नहीं हुईं और आखिरकार बिहार में अक्तूबर में फिर चुनाव हुए। महज सात महीने बाद हुए चुनाव में एक और क्षेत्रीय दल का जबरदस्त उभार हुआ। यह था- जनता दल (यूनाइटेड), जो कि नीतीश कुमार की समता पार्टी और शरद यादव के जनता दल के विलय के बाद बना। इस पार्टी ने एनडीए के साथ लड़ते हुए 88 सीटें हासिल कीं, वहीं भाजपा 55 सीटें पाने में कामयाब रही। यानी क्षेत्रीय दल किंग और राष्ट्रीय पार्टी बनी किंगमेकर। नीतीश कुमार बने राज्य के मुख्यमंत्री। राजद इस चुनाव में 54 सीटें ही जीत सका। लोजपा 10 और कांग्रेस सिर्फ 9 सीटें हासिल कर पाई। 2010 के चुनाव में नीतीश को अपनी योजनाओं से जबरदस्त फायदा हुआ। जदयू और भाजपा गठबंधन 248 में से 206 सीटें जीतने में सफल रहा। एनडीए का वोट प्रतिशत भी करीब 40 फीसदी तक पहुंच गया। 141 सीटों पर चुनाव लड़ा जदयू 115 सीटों पर जीतने में सफल रहा। वहीं, 102 सीटों पर चुनाव लड़ी भाजपा को 91 सीटों पर जीत मिली। दूसरी तरफ लालू का राजद महज 22 सीट पर सिमट गया। कांग्रेस को महज चार सीटें तो लोजपा को तीन सीटें मिलीं।

2020 में नीतीश की सीटें घटीं, लेकिन बने रहे राजा

बिहार में क्षेत्रीय दलों की राजनीति पर पकड़ किस कदम मजबूत है, इसका एक उदाहरण 2020 के विधानसभा चुनाव में देखने को मिला। जब एनडीए में शामिल जदयू महज 40 सीट ही जीत पाई, जबकि राष्ट्रीय दल भाजपा को 74 सीटें मिलीं। इसके बावजूद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बने। यानी एक बार फिर कम सीट पाकर भी क्षेत्रीय दल बना किंग और ज्यादा सीट हासिल करने के बावजूद राष्ट्रीय दल किंगमेकर बना। इस चुनाव में महागठबंधन को 110 सीटें मिलीं। राजद को 75, कांग्रेस को 19, भाकपा-माले को 12, भाकपा को 2 और माकपा को 2 सीटें मिलीं। यानी विपक्षी गठबंधन में एक क्षेत्रीय दल सबसे बड़ी पार्टी बनी और राष्ट्रीय दल का प्रदर्शन एक बार फिर खराब रहा।

कम सीट पाकर भी क्षेत्रीय दल बना किंग

2000 से 2020 तक बिहार में क्षेत्रीय दल ही बने ताकतवर

साल 2000 से लेकर 2020 तक बिहार में छह विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। हर बार यहां क्षेत्रीय दल ही प्रमुख रहे हैं। बिहार में साल 2000 का चुनाव मार्च में हुआ था। गौर करने वाली बात यह है कि तब तक बिहार से झारखंड अलग नहीं हुआ था। इस चुनाव में भी राजद मजबूती से उभरी। उसने 24 में से 290 सीटों पर चुनाव लड़ा और 124 सीटें जीतीं। पार्टी बहुमत से दूर रह गई। दूसरी तरफ भाजपा को इस चुनाव में बढ़त मिली और उसे 168 में से 67 सीटें मिलीं। नीतीश कुमार की समता पार्टी 14 सीट और कांग्रेस 20 सीटें जीतने

में सफल रही। क्षेत्रीय दलों के लिहाज से 1999 और 2000 अहम रहा। बिहार में जनता दल पूरी तरह से खत्म होने की कगार पर था। दरअसल, रामविलास पासवान अलग होकर लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) बना चुके थे। वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी जनता दल का अंत करीब आ गया। बिहार में शरद यादव ने जनता दल का नेतृत्व किया, लेकिन यह पार्टी राष्ट्रीय तो छोड़िए, क्षेत्रीय स्तर पर भी अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

साइबर ठगी से बचाने के लिए जागरूकता जरूरी

> बड़ा सवाल यह है कि सब कुछ जानते हुए भी पुलिस, सुरक्षा एजेंसियां और सर्च इंजन संचालित करने वाली कंपनियां इन पर रोक क्यों नहीं लगा पाती। चिंता की बात यह है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर एस्कॉर्ट सर्विस ग्रुप में शहर की महत्वपूर्ण लोकेशन और युवतियों के फोटो साझा किए जाते हैं। कई होटलों और स्पा सेंटरों की आड़ में देह व्यापार तक का अनैतिक काम होने लगा है।

साइबर अपराधों के दौर में सोशल मीडिया के जरिए एस्कॉर्ट सर्विस के जाल में खास तौर से युवाओं को फंसाने का खुलेआम हो रहा खेल जिम्मेदारों की नजर से आखिर क्यों बचा हुआ है? राजस्थान में जयपुर समेत प्रमुख बड़े शहर तो एस्कॉर्ट सर्विस के काले कारोबार के केंद्र पहले ही बने हुए थे, अब मेवाड़ व वागड़ में भी ठग गिरोह सक्रिय है। सर्च इंजन पर एस्कॉर्ट सर्विस सर्च करते ही कई लिंक सामने आ जाते हैं। जाहिर है इससे जुड़े हुए लोग भी पुलिस की निगाह में होंगे। बड़ा सवाल यह है कि सब कुछ जानते हुए भी पुलिस, सुरक्षा एजेंसियां और सर्च इंजन संचालित करने वाली कंपनियां इन पर रोक क्यों नहीं लगा पाती। चिंता की बात यह है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर एस्कॉर्ट सर्विस ग्रुप में शहर की महत्वपूर्ण लोकेशन और युवतियों के फोटो साझा किए जाते हैं। कई होटलों और स्पा सेंटरों की आड़ में देह व्यापार तक का अनैतिक काम होने लगा है।

एस्कॉर्ट सर्विस के दलालों ने युवाओं को जाल में फंसाना शुरू कर दिया है। एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगों के झांसे में आए युवकों से अश्लील चैटिंग या उनके अश्लील वीडियो रिकार्डिंग पर ब्लेकमेलिंग का दौर शुरू हो जाता है। ऐसा नहीं है कि यह सब सामने नहीं आता। लेकिन ठगी के शिकार हुए अधिकांश लोग लोकलाज के डर से पुलिस को शिकायत करने की बजाय अपनी मेहनत की कमाई ठगों को सौंप देते हैं। पुलिस कई बार चेतावनी देती रही है कि ठगों के भेजे जाने वाले किसी भी पेमेंट लिंक को क्लिक नहीं करें और न ही अपने बैंक अकाउंट की डिटेल साझा करें। साइबर सिक्योरिटी सिस्टम को अपने मोबाइल से जोड़कर रखने की सलाह भी दी जाती है। साइबर ठगी को रोकने के जिस गति से प्रयास होते हैं, उससे कहीं ज्यादा रफ्तार से ठगी के नए तौर-तरीके विकसित हो जाते हैं।एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगी भी ऐसा ही जाल है जो सतर्क नहीं रहने पर किसी को भी आसानी से शिकार बना सकता है। ठगों का जाल किस कदर फैला हुआ है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2024 में दुनियाभर में 498 लाख करोड़ से ज्यादा की साइबर ठगी हुई। भारत में वर्ष 2023 में 9.2 लाख से ज्यादा शिकायतें आईं, जिनमें 6 हजार करोड़ की चपत लगी। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट भी बताती है कि साइबर ठगी 6 साल में 42 गुना बढ़ गई। ऐसे में ठगी से बचाव के जागरूकता के प्रयासों को गति देने व ठगों के जाल को तोड़ने की जरूरत है। सारे विश्व में साइबर ठगी के खिलाफ अब एकजुटता भी जरूरी है क्योंकि यह समस्या अब वैश्विक समस्या बनकर उभर रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खुफिया तंत्र की मजबूती से थमेंगे आतंकी हमले

सी. उदय भास्कर

एक दुर्लभ और स्वागत योग्य घटनाक्रम में, केंद्र सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के दो दिन बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बंद कमरे में सर्वदलीय बैठक बुलाई। मीडिया रिपोर्टों में विचार-विमर्श के मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। पहली बात, सभी राजनीतिक दल इस बात पर सहमत थे कि भारत को आतंकवाद से एकजुट होकर लड़ना चाहिए। मीडिया को जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'सभी दलों के नेताओं ने एक स्वर में कहा है कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, हम उसका समर्थन करेंगे।' इस आम सहमति का सावधानी से स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि कई नेताओं ने अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों में राष्ट्रीय एकता पर ध्यान केंद्रित किए रखा और हमले के बाद अपने एतराज जताने से बचने की कोशिश की है। वे सांप्रदायिक व धार्मिक उन्माद को भड़काने से काफी हद तक दूर रहे, जो पिछले एक दशक से घरेलू राजनीतिक विमर्श पर हावी है।

इस प्रवृत्ति ने भारत के सामाजिक सौहार्द को कमजोर किया है, जिसका आंतरिक सुरक्षा पर क्षयकारी प्रभाव पड़ता है। इस तथ्य के मद्देनजर कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्वदलीय बैठक में शामिल न होकर बिहार में चुनावी रैली में भाग लेना चुना, इसको लेकर विपक्षी दलों ने आलोचना की, उनकी अनुपस्थिति ने बैठक के महत्व को कम कर दिया। सवाल उठता है अगर पहलगाम हमले की वजह ने प्रधानमंत्री को सऊदी अरब की अपनी यात्रा बीच में ही स्थगित करने को प्रेरित किया, तो क्या ऐसे में एक सूबे की चुनावी रैली को अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी? सर्वदलीय बैठक में सरकार द्वारा पहलगाम मामले में हुई चूक की एक दुर्लभ स्वीकारोक्ति भी देखी गई, जिसकी वजह से यह त्रासदी घटित हुई। एक नेता, जो कि 'सत्तारूढ़ गठबंधन' का बताया जा रहा है, उसने कथित तौर पर वाकपटुता बरतते हुए कहा, 'अगर कुछ भी गलत नहीं हुआ होता, तो हम यहां क्यों बैठे होते? कहीं न कहीं चूक हुई है, जिसका हमें पता लगाना होगा।'

यह जून, 2020 में गलवान संघर्ष के बाद जो हुआ, उससे थोड़ा-सा अलग लेकिन सकारात्मक बदलाव है। चूंकि, कहने को, खुद-ब-खुद समीक्षा करने योग्य हैं। विपक्षी दलों के सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों ने बैसरन घास मैदान को सैलानियों के लिए खोलने से पहले सुरक्षा एजेंसियों को सूचित नहीं किया, जिस तक पहुंच आमतौर पर जून में अमरनाथ यात्रा तक प्रतिबंधित रहती है। देखा जाए तो, यह एक अजीबोगरीब दावा है, जबकि 2019 में संयुक्त जम्मू-कश्मीर का विभाजन करने के बाद कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने में भारी निवेश किया गया है। जिस जगह पर आतंकवादियों ने हमला किया था, वहां तक पहुंचने के लिए '45 मिनट की चढ़ाई करनी पड़ती है और इस प्रकार की आपात स्थितियों से तेजी से निपटने के वास्ते कोई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पहले से मौजूद नहीं थी'। यह देखते हुए कि कश्मीर में उच्च घनत्व वाली सुरक्षा और खुफिया ग्रिड काम करती है ये चूकें साफ तौर पर असंगत हैं। यहां तक कि ऐसे मैदान में, जो भारी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता हो, वहां अचानक पैदा होने वाली किसी चिकित्सा संबंधी आपात स्थिति बनने की सूरत में, एक बुनियादी पर्यटक आपातकालीन निकासी प्रोटोकॉल पहले से तैयार रखना राजकीय तैयारियों का हिस्सा होना चाहिए था। क्या यह चूकें, जो निर्दोष पर्यटकों के संहार का कारण बनीं, उनकी निष्पक्ष और त्वरित तरीके से पहचान की जाएगी? लगता तो नहीं और मुझे खुशी होगी अगर मैं गलत साबित होऊं। पिछला रिकॉर्ड उत्साहजनक नहीं है। भारत विगत में भी कमजोर या अपर्याप्त खुफिया सूचनाओं के कारण गंभीर सुरक्षा झटके झेलता आया है, जिन्हें कार्रवाई योग्य न मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता रहा। अक्तूबर, 1947 के बाद से, जब कश्मीर के लिए पहला युद्ध लड़ा गया था, से लेकर अक्तूबर, 1962 तक (जब चीन ने भारत को 'हैरान' किया) और 1999 की गर्मियों में कारगिल की पहाड़ियां कब्जाने तक खुफिया चूक भारतीय सुरक्षा गाथा की एक बारम्बार दोहराई गई 'खासियत' रही है।

कारगिल युद्ध के बाद, तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने दिवंगत के. सुब्रह्मण्यम की अध्यक्षता में कारगिल समीक्षा समिति (केआरसी) का गठन किया था। खुफिया विभाग की कारगुजारी से संबंधित इन निष्कर्षों को याद करना जरूरी है। केआरसी रिपोर्ट में कहा गया है, 'विभिन्न स्तरों पर एजेंसियों और उनकी दी जानकारी इस्तेमाल करने वालों के बीच समन्वय या उद्देश्य-उन्मुख संपर्क के लिए कोई संस्थागत तंत्र नहीं है। इसी प्रकार, एजेंसियों को काम सौंपने, उनके प्रदर्शन की निगरानी करने और उनकी गुणवत्ता का मूल्यांकन करने में उनके रिकॉर्ड की समीक्षा करने के वास्ते कोई तंत्र नहीं है।

आर्थिक-कूटनीतिक मोर्चो पर पाक से बहुत आगे भारत

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

भारत द्वारा सिंधु जल संधि का स्थगन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाक का एक बड़ा हिस्सा सिंधु नदी के पानी से पेयजल, खेती व बिजली उत्पादन तक की गतिविधियों के लिए निर्भर है। पाक के जीडीपी का करीब 25 फीसदी सिंधु जल व्यवस्था पर निर्भर है। तभी पाक की बौखलाहट दिखाई दे रही है। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत विश्व की चौथी सबसे मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश है, वहीं पाकिस्तान अब 12वें नंबर पर पहुंच गया है।

इन दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान को सिखाए जाने वाले सबक के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय मीडिया व विशेषज्ञों द्वारा कहा जा रहा है कि भारत सैन्य ताकत की दृष्टि से पाकिस्तान से बहुत मजबूत है। भारत द्वारा पाकिस्तान पर सैनिक कार्रवाई में कोई दिक्कत नहीं है। भारत सरकार के पास वैश्विक कूटनीतिक समर्थन, आर्थिक संबल व देश की जनता का अभूतपूर्व समर्थन है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान से गोलीबारी की जा रही है। भारत की आर्थिक मजबूती भी भारत के लिए प्रभावी हथियार बनी हुई है। वस्तुतः इस समय भारत पाक से आर्थिक ताकत के हिसाब से दस गुना से भी अधिक मजबूत है। ऐसे में युद्ध की आशंका में जहां भारत युद्ध के भारी खर्चों को वहन करने की स्थिति में होगा, वहीं युद्ध होने पर पाक की कमजोर अर्थव्यवस्था बर्बादी की ओर उन्मुख होगी।

गौरतलब है कि सरकार ने 23 अप्रैल को पाकिस्तान के साथ व्यापार रोकने, पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों को निकालने, सार्क वीजा रियायत योजना के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को दिए वीजा निरस्त करने और सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि को 1965, 1971 और 1999 में पाक युद्ध के समय भी स्थगित नहीं किया गया था। भारत द्वारा सिंधु जल संधि का स्थगन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाक का एक बड़ा हिस्सा सिंधु नदी के पानी से पेयजल, खेती व बिजली उत्पादन तक की गतिविधियों के लिए निर्भर है। पाक के जीडीपी का करीब 25 फीसदी सिंधु जल व्यवस्था पर निर्भर है। तभी पाक की बौखलाहट दिखाई दे रही है। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत विश्व की चौथी सबसे मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश है, वहीं पाकिस्तान अब 12वें नंबर पर पहुंच गया है। यह इंडेक्स विभिन्न देशों की पारंपरिक युद्ध क्षमताओं के 60 से अधिक फैक्टर्स जैसे जनसंख्या, रक्षा बजट, सैन्य संसाधन, क्रय शक्ति, और सामरिक स्थिति को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है।

भारत के सक्रिय सैनिकों की संख्या लगभग 14.55 लाख है, जो पाकिस्तान के 6.54 लाख सक्रिय सैनिकों की तुलना में कहीं अधिक है। इसके अलावा, भारत के पास ज्यादा रिजर्व सैनिक और पैरामिलिट्री फोर्सेज भी हैं। थल सैन्य शक्ति के अलावा भारत की वायु और जल सैन्य शक्ति भी पाकिस्तान से बहुत अधिक है। यह भी महत्वपूर्ण है कि फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) के मुताबिक जहां भारत के पास 180 परमाणु हथियार हैं, वहीं पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। लेकिन भारत के परमाणु हथियार न्यूक्लियर डोमेन में पाकिस्तान से बहुत आगे हैं। इतना ही नहीं भारत न्यूक्लियर ट्रायड यानी जल, थल और आकाश तीनों में परमाणु हथियार दागने की क्षमता रखता है।

वहीं भारत की आर्थिकी पाकिस्तान से दस गुना से भी अधिक मजबूत है। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दोनों देशों के बजट को देखें तो पाते हैं कि भारत का बजट पाकिस्तान के बजट से करीब 11 गुना बढ़ा है। मौजूदा वित्त वर्ष के केंद्रीय बजट में भारत ने अपनी रक्षा तैयारियों के लिए 77.4 अरब डॉलर का आवंटन किया है, वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान का रक्षा बजट लगभग 7.6 अरब डॉलर है। इस अंतर से साफ पता चलता है कि भारत का सैन्य बजट पाकिस्तान से लगभग 10 गुना अधिक है। हाल ही में प्रकाशित विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर 6.3 फीसदी और पाकिस्तान की विकास दर महज 2.6 फीसदी रह सकती है। भारत की जीडीपी इस समय करीब 4000 अरब डॉलर की है, जबकि पाकिस्तान की जीडीपी 400 अरब डॉलर से भी कम है। प्रति व्यक्ति आय में भी भारत बहुत आगे है।

2025 के अनुमानों के अनुसार, भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,880 डॉलर है, जबकि पाकिस्तान की केवल 1,590 डॉलर। भारत की तेजी से चमकती आर्थिक छवि के कारण भारत में विदेशी निवेश बढ़ रहे हैं, वहीं पाकिस्तान की नकारात्मक छवि की वजह से पाकिस्तान में विदेशी निवेश लगातार घटते जा रहे हैं। यदि हम निर्यात की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत ने वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 437 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात किया है। जबकि पाकिस्तान का वस्तु निर्यात इसका दसवां भाग भी नहीं है। भारत के कुल निर्यात में पाकिस्तान की हिस्सेदारी मात्र 0.06 फीसदी ही है। पिछले वर्ष 2024 में भारत ने जितना सामान पाकिस्तान से आयात किया, उससे करीब 31 गुना ज्यादा पाकिस्तान को निर्यात किया। इस समय जब भारत की अर्थव्यवस्था छलांगें लगाकर आगे बढ़ रही है, वहीं पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भारी मुश्किल में है और दिवालिया जैसी स्थिति में है। निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के ऐसे प्रभावी आधारों पर भारत युद्ध की आर्थिक लागत का सामना करने में पाकिस्तान की तुलना में अधिक सक्षम है। ऐसे में दो-तीन सप्ताह की जंग में पाकिस्तान घुटने टेक सकता है।

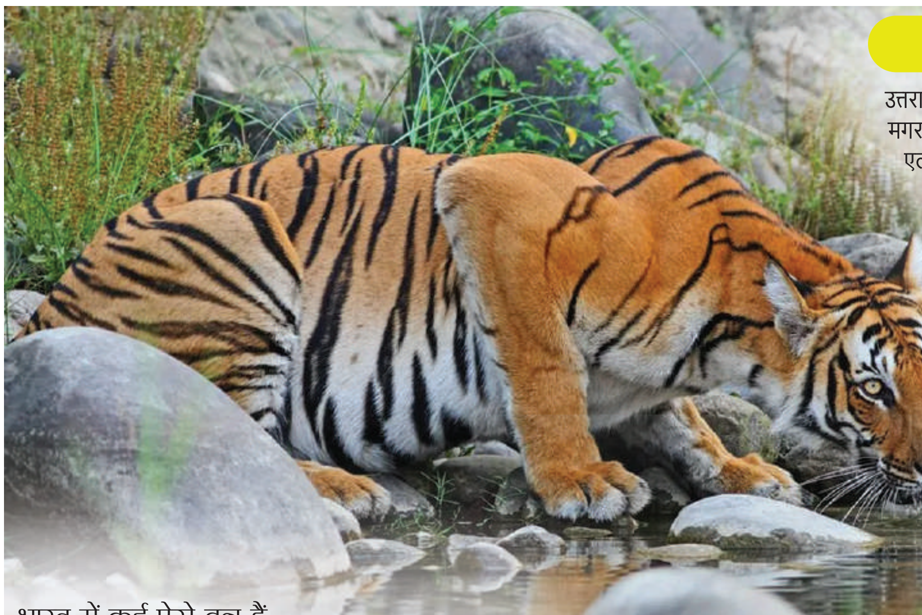

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क

उत्तराखंड का जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क बंगाल टाइगर, हाथी, हिरण, मगरमच्छ के लिए प्रसिद्ध है। यहां आप जीप सफारी, कैंटर सफारी, एलीफेंट सफारी का लुत्फ उठा सकते हैं। भारत का सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान, जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, बाघों को देखने के लिए सबसे प्रसिद्ध जंगल सफारी में से एक है। यहां के घने जंगलों और रमणीय पहाड़ियों के बीच सफारी का रोमांच विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।

ये भारत के सबसे प्रसिद्ध हैं जंगल सफारी

भारत में कई ऐसे वन हैं, जो पर्यटन के लिहाज से मशहूर हैं। भारत में जंगल सफारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो राष्ट्रीय उद्योनों की सैर करें। भारत के घने जंगल और राष्ट्रीय उद्यान वन्यजीव प्रेमियों और रोमांच के शौकीनों को आकर्षित करते हैं। विदेशी पर्यटक भी यहां की जंगल सफारी का अनुभव लेने के लिए बड़ी संख्या में आते हैं। भारत के जंगल सफारी विदेशी पर्यटकों को रॉयल बंगाल टाइगर, एक सींग वाला गैंडा, एशियाई शेर, और हाथी जैसे दुर्लभ जीवों को देखने का अवसर प्रदान करते हैं। अगर आप भी रोमांच और प्रकृति प्रेमी हैं, तो देश के जंगल सफारी को जरूर एक्सप्लोर करें। भारत के इन सबसे प्रसिद्ध जंगल सफारी में आपको दुर्लभ वन्यजीव और अद्भुत प्राकृतिक नज़ारे देखने को मिलेंगे।

काजीरंगा नेशनल पार्क

असम का काजीरंगा नेशनल पार्क एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध है। ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसा यह सुंदर जंगल हाथी सफारी और जीप सफारी के लिए लोकप्रिय है। गैंडा, हाथी और बाघों को नज़दीक से देखने, ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने और पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग है। यहां पहुंचने के लिए 96 किमी दूर जोरहाट एयरपोर्ट है और 75 किमी दूर फुरकाटिंग रेलवे स्टेशन सबसे पास है।

सुंदरबन नेशनल पार्क

पश्चिम बंगाल का सुंदरबन नेशनल पार्क दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव जंगल है। इसे प्रसिद्ध रॉयल बंगाल टाइगर का घर कहा जाता है, जहां नाव सफारी का अनोखा अनुभव मिलता है। यहां नाव सफारी के जरिए बाघों को देखने का प्रयास कर सकते हैं। दुर्लभ पक्षियों और मगरमच्छों को देखने का मौका मिलता है और शांत व रहस्यमयी जंगल का अनुभव ले सकते हैं। सुंदरबन नेशनल पार्क तक पहुंचने के लिए 120 किमी दूर कोलकाता एयरपोर्ट से टैक्सी ले सकते हैं। सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कंठी और नामखाना रेलवे स्टेशन है।

रणथंभौर नेशनल पार्क

राजस्थान का मशहूर रणथंभौर नेशनल पार्क ऐतिहासिक किले और जंगल का अद्भुत मेल है। यहां बाघ देखने की सबसे ज्यादा संभावना रहती है। अरावली और विंध्याचल पहाड़ियों का संगम देखने को मिलता है। यहां पहुंचकर आप बाघों की शानदार तस्वीरें खींच सकते हैं। रणथंभौर किले की सैर कर सकते हैं। सफारी और कैम्पिंग का आनंद ले सकते हैं। इस स्थान पर पहुंचने के लिए जयपुर एयरपोर्ट से 180 किमी दूर बस या कैब से जा सकते हैं। 12 किमी दूर सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन है।

हंसना मना है

भिखारी: साहब एक रुपया दे दो।
साहब: तुम्हें शरम नहीं आती, रोड पर खड़े होकर भीख मांगते हो, भिखारी: अब तुझे एक रूपये मांगने के लिए ऑफिस खोलू क्या?

जब व्यक्ति के साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाया, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल चला रहा है, इसे कहते हैं रिसायक्लिंग।

पत्नी: आप मुझे रानी क्यों बोलते हो?
पति: क्योंकि नौकरानी थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है.. पत्नी गुस्से से: तुम्हे पता है कि मै तुम्हें जान क्यों बोलती हूं?
पति: नहीं.. बताओ तो जरा.. पत्नी: जानवर थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूं।

गुरुजी - बच्चों, मुझे बताओ कि पहले जिस जगह का नाम मद्रास था, अब उसे किस नाम से जाना जाता है? बच्चा- चैन्नई? गुरुजी -बिलकुल सही जवाब? अब मुझे बताओ कि चैन्नई ये नाम क्यों रखा गया? बच्चा - सर, वहां के लोग लुंगी पहनते है। और लुंगी में pant की तरह चैन नहीं होती? इसलिये (चैन नही) चैन्नई ये नाम रखा गया?

कहानी — चार विद्वान ब्राह्मण

बहुत पुरानी बात है। चार विद्वान ब्राह्मण मित्र थे। एक दिन चारों ने संपूर्ण देश का भ्रमण कर हर प्रकार का ज्ञान अर्जित करने का निश्चय किया। चारों ब्राह्मणों ने चार दिशाएं पकड़ीं और अलग-अलग स्थानों पर रहकर अनेक प्रकार की विद्याएं सीखीं। पांच वर्ष बाद चारों अपने गृहनगर लौटे और एक जंगल में मिलने की बात तय की। चूंकि चारों परस्पर एक-दूसरे को अपनी गूढ़ विद्याओं व सिद्धियों को बताना चाहते थे, अत: इसके लिए जंगल से उपयुक्त अन्य कोई स्थान नहीं हो सकता था। जब चारों जंगल में एक स्थान पर एकत्रित हुए तो वहां उन्हें शेर के शरीर की एक हड्डी पड़ी हुई मिली। एक ब्राह्मण ने कहा कि मैं अपनी विद्या से इस एक हड्डी से शेर का पूरा अस्थि पंजर बना सकता हूं।' उसने ऐसा कर भी दिखाया। तब दूसरे ब्राह्मण ने कहा कि मैं इसे त्वचा, मांस और रक्त प्रदान कर सकता हूं।' फिर उसने यह कर दिया। अब उन लोगों के समक्ष एक शेर पड़ा था, जो प्राणविहीन था। अब तीसरा ब्राह्मण बोला कि मैं इसमें अपनी सिद्धि के चमत्कार से प्राण डाल सकता हूं।' चौथे ब्राह्मण ने उसे यह कहते हुए रोका, 'यह मूर्खता होगी। हमें तुम पर विश्वास है, किंतु यह करके न दिखाओ।' किंतु तीसरे ब्राह्मण का तर्क था कि ऐसी सिद्धि का क्या लाभ जिसे क्रियान्वित न किया जाए। उसका हठ देखकर चौथा ब्राह्मण तत्काल पास के पेड़ पर चढ़कर बैठ गया। तीसरे ब्राह्मण के मंत्र पढ़ते ही शेर जीवित हो गया। प्राणों के संचार से शेर को आहार की आवश्यकता महसूस हुई और उसने सामने मौजूद तीनों ब्राह्मणों को मारकर खा लिया। चौथे ब्राह्मण ने समझदारी से अपने प्राण बचा लिए।

कथा का सार- किसी भी कार्य को करने से पहले उसके परिणामों पर भली-भांति विचार कर लेना चाहिए, अन्यथा विपरीत स्थिति का सामना पड़ सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी।

वृषभ
आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। लाभ होगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

मिथुन
जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। प्रमाद से बचें।

कर्क
बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। बेचैनी रहेगी।

सिंह
कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

कन्या
मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

तुला
दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

वृश्चिक
प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु
अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

मकर
विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

कुम्भ
समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन
राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड प्रोजेक्ट

इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'द पीजेंट' में नजर आएंगे देव पटेल

अभिनेता और निर्माता-निर्देशक देव पटेल अपनी अलग तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वो अपनी फिल्मों में गंभीर मुद्दों पर बात करते हैं। देव पटेल अभिनेता के साथ-साथ निर्देशक की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं। अब देव पटेल के अगले प्रोजेक्ट को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। अभिनेता पीरियड एक्शन-थ्रिलर 'द पीजेंट' में दिखाई देंगे। इस फिल्म में वो एक्टिंग के साथ-साथ निर्देशन की कमान भी संभालते नजर आएंगे। 'द पीजेंट' की कहानी मध्यकालीन भारत पर आधारित होगी। बतौर निर्देशक अपनी पहली फिल्म 'मंकी मैन' की सफलता और प्रशंसा के बाद देव पटेल थंडर रोड पिक्चर्स के साथ फिर से वापसी कर रहे हैं। द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, फिफ्थ सीजन और थंडर रोड के समर्थन से बन रही 'द पीजेंट' कथित तौर पर 'ब्रेवहार्ट', 'जॉन विक' और 'किंग आर्थर' से प्रभावित होगी। 'द पीजेंट' की कहानी 1300 के दशक के भारत के एक चरवाहे पर केंद्रित है, जो अपने समुदाय को नष्ट करने वाले भाड़े के शूरवीरों के एक गिरोह के खिलाफ भयंकर विद्रोह करता है। इस दौरान उसका एक ऐसा रूप सामने आता है, जिसकी किसी ने उम्मीद भी नहीं की थी। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है और वो इस तरह की कहानी को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे है। देव पटेल द्वारा निर्देशित पिछली फिल्म 'मंकी मैन' भी एक रिवेंज थ्रिलर थी। साल 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'मंकी मैन' को काफी सराहा गया था। फिल्म को भारत से लेकर विदेशों तक में काफी पसंद किया गया था। फिल्म में देव पटेल ने निर्देशन के साथ-साथ एक्टिंग भी की है।

जल्द ही शरत कमल की बायोपिक में नजर आयेंगे विक्की कौशल

विक्की कौशल, जिन्होंने हाल ही में फिल्म छावा में छत्रपति संभाजी महाराज की शानदार भूमिका निभाकर सबका दिल जीता, अब जल्द ही वह दो बायोपिक फिल्मों में नजर आ सकते हैं। उससे पहले जानते हैं अभीतक किन खास किरदारों में नजर आ चुके हैं।

मशहूर टेबल टेनिस खिलाड़ी और ओलंपियन शरत कमल ने अपनी बायोपिक के लिए विक्की कौशल को चुना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू में शरत ने कहा कि वह विक्की को अपनी कहानी के लिए सही मानते हैं, क्योंकि उनकी बायोपिक का अभिनेता लंबा और प्रभावशाली होना चाहिए। प्रसिद्ध शेफ संजीव कपूर, जिन्होंने खाना खजाना शो से घर-घर में नाम कमाया, ने भी अपनी बायोपिक के लिए विक्की कौशल को पसंद किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा कि अगर उनकी जिंदगी पर फिल्म बने, तो वह विक्की को मुख्य भूमिका में देखना चाहेंगे।

सरदार उधम 2021 की ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन शूजित सरकार और निर्माण राइजिंग सन फिल्म्स ने किनो वर्क्स के सहयोग से किया है। सरदार उधम में, विक्की कौशल ने भारतीय स्वतंत्रता सेनानी उधम सिंह की भूमिका निभाई है, जिन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए बदला लेने के लिए ब्रिटिश सरकार के अधिकारी माइकल ओ डायर की हत्या की थी।

सैम बहादुर जैसी फिल्मों में विक्की कौशल ने वास्तविक किरदार निभाया है। सैम बहादुर में विक्की कौशल ने भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की भूमिका निभाई, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारतीय सेना के कमांडर थे। इस फिल्म में भी विक्की का वास्तविक किरदार हर किसी को पसंद आया। छावा में विक्की कौशल ने मराठा साम्राज्य के शासक छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाई, जो एक शक्तिशाली और कुशल सेनापति थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही। इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। वहीं अब विक्की हो सकता है कि जल्द ही किसी बायोपिक में नजर आए।

कुछ लोग कश्मीर की तरक्की नहीं चाहते : सुनील शेट्टी

पहलगाम हमले के बाद बॉलीवुड सितारे इस मामले को लेकर काफी मुखर हैं और जम्मू-कश्मीर के समर्थन में उतरे हैं। अतुल कुलकर्णी से लेकर सुनील शेट्टी तक लोगों से कश्मीर जाने की अपील कर रहे हैं। अब अभिनेता सुनील शेट्टी ने एक बार फिर पहलगाम हमले और कश्मीर को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कश्मीर की तरक्की नहीं चाहते हैं।

'हम तब तक चुप बैठते हैं, जब तक हमें उकसाया नहीं जाता' अपनी आगामी फिल्म 'केसरी वीर' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान सुनील शेट्टी ने पहलगाम हमले के बारे में बात की और जम्मू-कश्मीर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। इस दौरान सनातन धर्म के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, हम चुप तब तक बैठते हैं, जब तक हमें उकसाया नहीं जाता है। जैसा कि हाल में भी हो रहा है। कश्मीर में कमाल का काम हुआ है। 370 के हटने के बाद वहां तरक्की हो रही है। मगर कुछ लोग चाहते हैं कि कश्मीर आगे न बढ़े, वहां तरक्की न हो।

ये फिल्म भी यही संदेश देती है कि हमें एकजुट रहना चाहिए। इस दौरान सुनील शेट्टी ने भारत माता की जय का नारा भी लगाया। मेरे लिए देश से बढ़कर कुछ भी नहीं, राघवन का किरदा मेरी नजरों में विलेन नहीं है' ट्रेलर लॉन्च के दौरान सुनील शेट्टी ने अपनी विलेन की भूमिकाओं के बारे में भी बात की। साथ ही उन्होंने उस बहस पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी जिसमें पहलगाम हमले के बाद कुछ लोग 'मै हूं ना' फिल्म में सुनील शेट्टी के राघवन के किरदार को विलेन नहीं मानते हैं। जो भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को कम करने वाले प्रोजेक्ट मिलाप को रोकना चाहता है। इस पर बोलते हुए एक्टर ने कहा, भारत और पाकिस्तान का कभी मिलन हो ही नहीं सकता। मेरे लिए देश से बढ़कर कुछ भी नहीं है। जब देश की बात आती है तो मैं एक अलग इंसान बन जाता हूं। 'मैं हूं ना' की स्क्रिप्ट के मुताबिक राघवन का किरदार निगेटिव था। मैंने जब स्क्रिप्ट सुनी तो मुझे हां बोलने में दो मिनट लगे। मैंने सोचा कि राघवन कैसे गलत हो सकता है। पाकिस्तान हमेशा से हमारा दुश्मन रहा है। उन्होंने मेरे बच्चे को मारा है और मैं बस यह चाहता हूं कि वो उसकी बॉडी दे दें।

अजब-गजब | इस व्यक्ति ने अजीबो-गरीब तरीक से की दुनिया की सैर

इस व्यक्ति ने बिना हवाईजहाज की मदद से की 203 देशों की सैर, उसका पसंदीदा देश बना क्यूबा

इस दुनिया में लगभग हर किसी व्यक्ति की एक ख्वाहिश जरूर होगी। वो ये कि वो पूरी दुनिया की यात्रा करे और हर देश देख ले। हालांकि, हर किसी के बस की ये बात नहीं होती है। बहुत से लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वो खुद के लिए समय ही नहीं निकाल पाते। मगर एक व्यक्ति के अंदर दुनिया घूमने का इतना जुनून था कि वो बिना हवाई जहाज की मदद लिए वर्ल्ड टूर पर निकल गया। हैरानी ये है कि उसने दुनिया के हर देश को देख लिया है और हाल ही में उसने बताया कि उसका सबसे पसंदीदा देश कौन सा है।

डेनमार्क के रहने वाले थॉर पेडर्सन ने एक अनोखा कारनामा कर दिखाया है। उन्होंने दुनिया के सभी देश, यानी कुल 203 देशों की यात्रा कर ली है, वो भी बिना हवाई जहाज का इस्तेमाल किए। उन्होंने पानी के जहाजों का सहारा लिया, ट्रेन का सहारा लिया, गाड़ियों से यात्रा की पर प्लेन से किसी दूसरे देश नहीं गए। आप कहेंगे कि दुनिया में अगर 195 देश हैं तो उन्होंने 203 की यात्रा कैसे कर ली? दरअसल, 195 वो देश हैं जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। इसके अलावा वैटिकन और पैलेस्टीन दो गैर सदस्य देश हैं। पर कुछ देश ऐसे हैं जिन्हें पूर्ण रूप से मान्यता नहीं मिली है, इसमें वेस्टर्न सहारा, तायवान आदि जैसी जगह शामिल हैं जो इसे 203 देश बनाते हैं।

शख्स ने यूनीलैड से बातचीत में बताया कि उसने करीब 10 साल पहले (2013) अपनी यात्रा की शुरुआत की थी, उनका मन था कि वो 4 सालों में अपनी यात्रा पूरी कर लें। मगर बीच में राजनीतिक उथलपुथल, और कोरोनावायरस महामारी की वजह से उसे अपनी इस यात्रा में काफी देरी का सामना करना पड़ा। पर अब शख्स ने बताया है कि कौन सा देश सबसे पसंदीदा बन गया है। उसने कहा कि उसका फेवरेट देश है क्यूबा। ये देश अपने में अलग दुनिया है क्योंकि ये किसी दूसरे देश जैसा बिल्कुल भी नहीं दिखता है। हालांकि, ये देश भी तेजी से बदल रहा है, इस वजह से अगर इसकी खूबसूरती देखनी है तो लोगों को यहां जल्द से जल्द जाना चाहिए। इस देश में काफी विंटेज गाड़ियां चलती हैं, सालसा म्यूजिक, लोग सिगार पीते हैं और जिंदगी का मजा लेते हैं।

एक ऐसा मुर्गा जिसकी कीमत सुनते ही उड़ जाएंगे होश! 15 हजार के ऑफर को किसान ने ठुकराया

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के मोहोल तालुका के कामटी खुर्द गांव में रहने वाले अरुण शिंदे ने मुर्गी और बत्तख पालन में नया आयाम स्थापित किया है। पिछले तीन-चार वर्षों से वह इस बिजनेस को बड़े पैमाने पर चला रहे हैं और उनकी मेहनत ने एक विशेष नस्ल के मुर्गे को बहुत प्रसिद्ध बना दिया है। उनके पास आंध्र प्रदेश की असिल नस्ल का मुर्गा है, जिसकी कीमत बाजार में 12 से 15 हजार रुपये तक पहुंच गई थी। यह मुर्गा केवल अपनी नस्ल और आकार के कारण ही खास नहीं है, बल्कि उसकी अद्भुत विशेषताएं भी हैं।

अरुण शिंदे का प्रोत्साहन एग्रो फार्म खास तौर पर असिल मुर्गों के लिए जाना जाता है। असिल नस्ल के मुर्गे की शारीरिक संरचना और स्वभाव उसे अन्य नस्लों से अलग बनाता है। इस नस्ल के नर मुर्गे का वजन 4 से 4.5 किलोग्राम तक होता है, जबकि मादा मुर्गी 2 से 2.5 किलोग्राम की होती है। इसके अलावा, असिल नस्ल के मुर्गे को सुरक्षा गार्ड के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। फार्म पर आने वाले अजनबियों और अन्य जानवरों से वह पूरी तरह से रक्षा करता है। सोलापुर के अरुण शिंदे ने इस मुर्गे को बेचना नहीं चुना, भले ही रत्नागिरी के एक व्यापारी ने इसके लिए 12 से 15 हजार रुपये की कीमत बताई थी। उनका मुख्य उद्देश्य इन मुर्गों की प्रजनन क्षमता को बढ़ाना था ताकि यह नस्ल और भी फैल सके। अरुण शिंदे का यह अनूठा प्रयास सोलापुर में खेती और पालनपोषण के क्षेत्र में नई संभावनाओं को उजागर कर रहा है। इसने न केवल कृषि से जुड़ी कार्यशैली को एक नई दिशा दी है, बल्कि स्थानीय किसानों को भी प्रेरित किया है कि वे अपने काम को किस तरह से बेहतर और लाभकारी बना सकते हैं।

भाजपा सरकार की घोषणाएं धरातल पर नहीं

राहुल गांधी ने गडकरी की घोषणाओं की ली जानकारी

» नेता प्रतिपक्ष ने रेल कोच फैक्टरी का किया निरीक्षण रेल पहियों और डिब्बों के निर्माण को देखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। पिछले साल पहले लोकसभा चुनाव में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की घोषणाएं सदन के नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी को याद आ गईं। बचत भवन में दिशा की बैठक में अचानक राहुल गांधी ने पूछा-नितिन गडकरी की घोषणाओं का क्या हुआ। लालगंज और बछरावां में बाईपास और रायबरेली-लालगंज को फोरलेन करने की घोषणा की थी। राहुल के इस सवाल पर सदन में बैठे सभी लोग अवाक रह गए। एनएचआई के परियोजना निदेशक नवरतन बोले-जल्द ही यहां जॉइन किया है। पता लगाकर दो दिन में बता पाउंगा। इसी के तुरंत बाद उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि स्वीकृति हो चुकी है।

इस पर राहुल ने सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ा दिया। उन्होंने कहा था कि आज जो भी मंजूरी और घोषणा कर रहे हैं, वह छह माह के अंदर शुरू हो जाएंगे। घोषणा के एक साल बाद भी काम शुरू न होने पर सांसद राहुल गांधी ने दिशा की बैठक में केंद्र सरकार को घेरने का पूरा प्रयास किया। पिछले साल लोकसभा चुनाव में रायबरेली के संसदीय क्षेत्र से राहुल गांधी मैदान में उतरे तो उनके चुनाव का प्रबंधन दक्षिण के चुनावी मॉडल पर हुआ था। नतीजा यह रहा कि राहुल गांधी ने चुनाव जीता और उसके बाद से ही यह संकेत मिलने लगे थे कि विकास का ताना बाना भी तेलंगाना के रोल मॉडल पर होगा। इसकी झलक मंगलवार को देखने को मिली। सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) का दौरा किया। उन्होंने रेल डिब्बों के निर्माण की प्रक्रिया को देखा। सांसद करीब डेढ़ घंटे आरेडिका में रहे।

महिला हेल्प लाइन का नंबर उठा तो राहुल बोले-थैंक यू

पांच नवंबर 24 को हुई पिछली बैठक में महिला हेल्पलाइन का नंबर नहीं उठा था। राहुल गांधी ने इस बार फिर महिला हेल्पलाइन कॉल सेंटर का नंबर 181 डॉयल कराया। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने जैसे ही 181 डॉयल किया। कॉल रिसीव हो गई। डीपीओ ने अमेठी सांसद केएल शर्मा की बात कराई। इसके बाद फोन राहुल गांधी को दिया गया। राहुल ने कॉल टेकर को पहले कहा-थैंक यू सो मच। उन्होंने कॉल टेकर से पूछा दिन में कितनी कॉल आती है। उसने बताया कि 300 काल आती हैं।

राहुल के अमेठी पहुंचने से पहले आपत्तिजनक पोस्टर हटे

राहुल गांधी के बुधवार को अमेठी के एक दिवसीय दौरे से पहले सियासी पारा चढ़ गया है। कस्बे के बस स्टेशन बाईपास, एचएएल परिसर और अन्य प्रमुख स्थलों पर कुछ अज्ञात लोगों द्वारा लगाए गए आपत्तिजनक पोस्टरों ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। इन पोस्टरों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आतंकवाद का साथी बताया गया और कांग्रेस नेताओं पर आतंकवाद का समर्थन करने के आरोप लगाए गए। यह पोस्टर देर रात लगाए गए। पोस्टरों में कांग्रेस नेताओं के पुराने बयानों का हवाला देते हुए उन्हें निशाने पर लिया गया है। जैसे ही इन पोस्टरों की सूचना प्रशासन को मिली, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आपत्तिजनक सामग्री हटवा दी। राहुल पर हमला करता हुए ऐसा ही एक पोस्टर रायबरेली में भी लगाया गया था।

ब्लॉक प्रमुख बोलीं- राहुल जी मदद कीजिए, पहली बार बोल रही हूं, इसलिए कांप रही हूं

रायबरेली में दिशा की बैठक में मौजूद सलोन की ब्लॉक प्रमुख अंजू कुशवाहा एक महिला के दर्द को लेकर खड़ी हुईं। उन्होंने कहा कि राहुल जी, हमारे ब्लॉक के शैलेंद्र मौर्य की हत्या कर दी गई। उनकी पत्नी मृत्यु प्रमाणपत्र के लिए भटक रही हैं लेकिन प्रमाणपत्र नहीं बन पा रहा है। इस पर राहुल ने दम से कहा कि उनकी मदद कराइए। इतना कहने के बाद अंजू कुशवाहा ने स्वीकार किया कि पहली बार आप सबके सामने बोल रही हूं, इसलिए कांप रही हूं। अगली बार बोलूंगी तो नहीं कांपूगी।

स्वामी प्रसाद मौर्या की बहू ने गेट के लिए मांगी निधि, राहुल बोले-नहीं हो सकता

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की बहू व दीनशाह गौरा की ब्लॉक प्रमुख सविता मौर्या ने कहा कि ब्लॉक में चक्रवर्ती सम्राट अशोक द्वार के लिए सांसद निधि से धन मांगा था, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं मिला। इस पर राहुल ने कहा कि सांसद निधि से गेट के लिए धनराशि नहीं दी जा सकती। गेट के लिए डीएम मैडम से अनुरोध कर लेंगे। वहीं खीरों क्षेत्र क निहस्था प्रधान नेहा सिंह ने दिशा की बैठक में शिकायत की कि बिना उनके प्रस्ताव के ही अपात्रों को अंत्योदय कार्ड जारी कर दिए गए।

गृहकर से लबालब भर गई नगर निगम की झोली

» वसूली में तीन गुना वृद्धि, बढ़ाई गई मई 2025 तक छूट योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम ने गृहकरदाताओं को राहत देते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए घोषित छूट योजना को मई 2025 तक बढ़ा दिया है। नगर आयुक्त को भेजे गए निर्देश में महापौर सुषमा खर्कवाल ने जनहित में यह निर्णय लिया है कि गृहकर भुगतान करने वाले करदाताओं को ऑनलाइन भुगतान पर 10 प्रतिशत और ऑफलाइन भुगतान पर 8 प्रतिशत की छूट मई माह में भी जारी रखी जाएगी। उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत यह छूट योजना प्रारंभ में 30 अप्रैल 2025 तक प्रभावी थी।

इस अवधि के दौरान करदाताओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी दिखाई, जिससे नगर निगम की गृहकर वसूली में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अप्रैल 2025 में प्राप्त गृहकर राजस्व, पूर्व वित्तीय वर्ष की अपेक्षा तीन गुना अधिक रहा है। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऑनलाइन भुगतान करने वालों को अधिक छूट प्रदान की गई थी। इस पहल को करदाताओं ने सराहा और इसका भरपूर लाभ उठाया।

पानी को लेकर पंजाब-हरियाणा में तकरार

» कांग्रेस नेता बोले- हरियाणा सरकार ने नहीं की पैरवी

» जल विवाद केंद्र के पास पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा के बीच जल विवाद हाल ही में फिर से चर्चा में आया है। पंजाब सरकार ने भाखड़ा नहर से हरियाणा को जाने वाले अतिरिक्त पानी को रोकने का फैसला किया है। अब केंद्रीय ऊर्जा और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने इस मुद्दे पर भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड से रिपोर्ट मांगी है। ताकि इस विवाद पर सहमति बनाई जा सके। पंजाब के पानी में कटौती करने पर कांग्रेस ने कहा कि हरियाणा के पानी में कटौती करने का अधिकार नहीं है।

पार्टी नेताओं ने इस मुद्दे पर मजबूत पैरवी न करने का आरोप लगाते हुए हरियाणा सरकार को भी घेरा है। कांग्रेस नेता व पूर्व

मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा कोई अहसान नहीं मांग रहा, बल्कि यह प्रदेश के हिस्से का पानी है, जो पंजाब सरकार को हर हाल में देना ही पड़ेगा। पंजाब सरकार द्वारा 9500 क्यूसेक पानी को अचानक घटाकर 4000 क्यूसेक करना घोर आपत्तिजनक है। हरियाणा की भाजपा सरकार की ओर से इसका कोई विरोध भी न करना और अधिक आपत्तिजनक है।

पंजाब को पानी कटौती का अधिकार नहीं : सैलजा

सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार हरियाणा का पानी रोककर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और दोनों प्रदेशों के बीच हुए जल समझौतों की खुलेआम अवहेलना कर रही है। प्रदेश और केंद्र में दोनों जगह भाजपा सरकार होने के बावजूद वह इसे रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। यह भाजपा सरकार की प्रशासनिक विफलता का स्पष्ट प्रमाण है। अगर हरियाणा को उसके हक का पानी नहीं मिला तो इस भीषण गर्मी में प्रदेश के अनेक जिलों को गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ेगा। अगर सरकार ने समय रहते कार्रवाई नहीं की तो कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ हरियाणा के हक की लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ेगी।

हरियाणा के साथ विश्वासघात में भाजपा-कांग्रेस भी शामिल : अभय

इनेलो प्रमुख और पूर्व विधायक अभय चौटाला ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री गीदड़ भभकी दे रहे हैं। हरियाणा सरकार ने चुप्पी साध रखी है। हरियाणा के साथ विश्वासघात किया जा रहा है और इसमें कांग्रेस भी शामिल है।

दक्षिण अफ्रीका पर भारी पड़ीं भारत की बेटियां

» 15 रन से जीत में प्रतिका और राणा चमकीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। श्रीलंका पर नौ विकेट से जीत के बाद भारतीय महिला टीम ने त्रिकोणीय सीरीज के दूसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से हरा दिया। प्रतिका रावल की अर्धशतकीय पारी के दम पर भारत ने 50 ओवर में छह विकेट खोकर 276 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 49.2 ओवर में 261 रन पर ऑलआउट हो गई। उनके लिए तजमीन ब्रिट्स ने सर्वाधिक 109 रन बनाए। स्नेह राणा ने पांच विकेट लिए जबकि अरुंधति रेड्डी, श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने एक-एक सफलता हासिल की।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका को लाउरा वोलवार्ड्ट और तजमीन ब्रिट्स ने अच्छी शुरुआत दिलाई थी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 140 रनों की विशाल साझेदारी हुई। लाउरा 43 रन बनाकर आउट हो गई। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों का दबदबा रहा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत को प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी हुई। मंधाना पांच चौके की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद रावल को हरलीन देओल का साथ मिला। दोनों ने 73 गेंदों में 68 रन जोड़े। लाबा ने प्रतिका को बोल्ड किया। वह 91 गेंदों में 78 रन बनाकर आउट हुईं। उन्होंने लगातार पांचवीं पारी में 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया। वहीं, हरलीन 29 रन बनाने में कामयाब रहीं। उनके अलावा जेमिमा रोड्रिग्स ने 41, ऋचा घोष ने 24 और दीप्ति शर्मा ने नौ रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर 41 और काश्वी गौतम पांच रन बनाकर नाबाद रहीं। दक्षिण अफ्रीका के लिए लाबा ने दो विकेट लिए जबकि आयाबोंगा, क्लास, नादिन डी क्लार्क और एनेरी डर्कसन को एक-एक सफलता मिली।

जीत के साथ कोलकाता की आस बरकरार

नई दिल्ली। सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती की घातक गेंदबाजी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने दिल्ली कैपिटल्स को 14 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ कोलकाता ने अपनी प्लेऑफ की आस बरकरार रखी है। उनके खाते में नौ अंक हो गए और उनका नेट रन रेट 0.271 हो गया है। वहीं, दिल्ली 12 अंक और 0.362 का नेट रन रेट लेकर चौथे स्थान पर है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता केकेआर ने अंगकृष रघुवंशी की 44 रनों की शानदार पारी की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 204 रन बनाए। जवाब में दिल्ली निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर 190 रन बना पाई और लगातार दूसरा मुकाबला हार गई। केकेआर के लिए नरेन ने तीन और वरुण ने दो विकेट लिए जबकि अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा और आंद्रे रसेल को एक-एक सफलता मिली।

4PM के बैन को पूरे देश ने बताया गलत

» राजनीतिक दलों, बुद्धिजीवियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार को घेरा

» भारतीय मीडिया की साख लगातार कम हो रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सरकार के रवैये पर आम से लेकर खास तक हैरान

नई दिल्ली। देश के सबसे लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4पीएम के बैन के दूसरे दिन भी उसके समर्थन में पूरे देश से आम लोगों के साथ खास ने भी आवाज बुलंद की। सपा, राजद, कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी जैसे राजनीतिक दलों के साथ कई वरिष्ठजनों, शिक्षाविदों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चैनल पर बैन को गलत बताया। पत्रकार जगत के पुण्य प्रसून बाजपेई, रवीश कुमार व अजित अंजुम ने भी सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाया है।

टीवी चैनल और अखबारों पर सरकार का कब्जा

टीवी चैनलों और बड़े अखबारों पर पर बड़े कॉरपोरेट और सरकारी विज्ञापनों का प्रभाव होता है। यह लोग वही दिखाते और छापते हैं जिनको सरकार चाहती है। जबकि यूट्यूब जैसे डिजिटल मंच अपेक्षाकृत स्वतंत्र और जनोन्मुख होते हैं। ये मंच ऐसे सवाल उठाते हैं जो मुख्यधारा मीडिया अक्सर टाल देता है। दलितों पर अत्याचार, बेरोजगारी और महंगाई, सरकारी योजनाओं की असफलता, पुलिस और प्रशासन की लापरवाही इन विषयों पर बोलना सत्ता को असहज करता है इसलिए डिजिटल मंचों को राष्ट्रविरोधी ठप्पा देकर बंद किया जा रहा है। आरएसएफ रिपोर्टर विदआउट बार्डर की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय मीडिया प्रेस स्वतंत्रता में 161वें स्थान पर है जो कि पिछले वर्षों की तुलना में और भी गिर गया है। 2022 और 2024 के बीच भारत सरकार ने करीब 250 यूट्यूब चैनलों और फेसबुक पेजों को ब्लॉक किया है, जिनमें से अधिकतर की सामग्री वैकल्पिक या सत्ता विरोधी मानी जाती थी।

मोदी जी कितने ही चैनल बैन कर लें, खुद के बनाए मार्गदर्शक मंडल में एक दिन जाना ही होगा : रवीश

4पीएम को बैन किए जाने पर पर रवीश कुमार ने मोदी सरकार का पर्दाफाश कर दिया। वरिष्ठ पत्रकार ने कहा वो दिन दूर नहीं, जब मोदी जी को, खुद के बनाए मार्गदर्शक मंडल में, आडवाणी जी की तरह जाना होगा। चाहे उससे पहले वे कितने ही चैनल बैन कर लें। विश्व विख्यात पत्रकार, भारत के घर-घर में पहचाने जाने वाले, जन्म से हिन्दू और असली देशभक्त, रवीश कुमार ने उन सारे तर्कों की हवा निकाल दी है, जो कुछ भक्त, 2 रुपये प्रति ट्वीट मेहनताना के लिए, बैन के समर्थन में गढ़ रहे हैं।और हां, अब साफ है, नरेंद्र मोदी कुछ भी कर लें। एक लाख लोगों पर एफआईआर करा लें।दो लाख लोगों को देशद्रोही बताकर जेल में डाल लें। 4पीएम जैसे 5000 स्वतंत्र न्यूज चैनल को बैन कर दें, हैकर से डिलिट करा दें।लेकिन इस देश में डेमोक्रेसी है और रहेगी। इतनी आसानी से मोदी, भारत की डेमोक्रेसी खत्म नहीं कर सकते। उससे पहले, उनके, मार्गदर्शक मंडल में जाने का वक्त आ जाएगा।

> भारत से भारत के निवासियों के लिए प्रसारित कोई भी यूट्यूब चैनल बिना वजह बंद कर देना सही नहीं है। सवाल पूछना कोई देशद्रोह नहीं है।
> *हज़ार बर्क़ गिरे लाख आँधियाँ उट्ठें*
> *वो फूल खिल के रहेंगे जो खिलने वाले हैं*
> **- मिलान देसाई**

> सरकार ने अलोकतांत्रिक तरीके से 4पीएम के नेशनल चैनल को राष्ट्रीय सुरक्षा का बहाना देकर बंद कर दिया। इस पर साथी पत्रकार ने बेहतरीन विश्लेषण किया। कैसे साजिशें रचकर सरकार जनता के सवालों का गला घोट रही है।
> **- वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ल**

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है, ये बकवास बात : राहुल देव

वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव ने भी 4पीएम पर बैन की निंदा की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है, ये बकवास बात है। वरिष्ठ पत्रकार देव ने मोदी सरकार की कार्रवाई को मीडिया पर हमला बताया।

आम लोग बोले- सवालों से घबराकर सरकार ने तानाशाही रवैया दिखाया

4पीएम नेशनल यूट्यूब चैनल बैन कराकर, मोदी सरकार ने सोचा, लोग डर जाएंगे। गिने चुने, किसी तरह बचे, सच कहने वाले पत्रकार चुप हो जाएंगे। लेकिन हो, उल्टा रहा है। सच कहने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। लोग साफ कह रहे है। 4पीएम के सवालों से घबराकर सरकार ने तानाशाही रवैया दिखाया है।

केंद्र सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाए : खरगे

» नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुए हालत के मद्देनजर संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जाए ताकि आतंकवाद के खिलाफ देश के सामूहिक संकल्प और इच्छाशक्ति को व्यक्त किया जा सके। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि 1994 में संसद से पारित उस संकल्प को फिर से दोहराने का समय आ गया है जिसमें जम्मू - कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बताने के साथ ही पाकिस्तान से उसके कब्जे वाले कश्मीर को खाली करने के लिए कहा गया था।

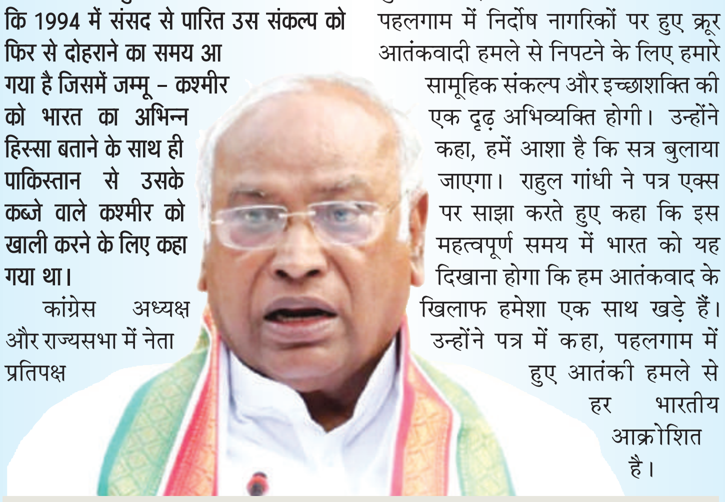

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह आग्रह किया। पत्र में खरगे ने कहा, इस समय, जब एकता और एकजुटता जरूरी है, विपक्ष का मानना है कि जल्द से जल्द संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाया जाए। यह 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए क्रूर आतंकवादी हमले से निपटने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प और इच्छाशक्ति की एक दृढ़ अभिव्यक्ति होगी। उन्होंने कहा, हमें आशा है कि सत्र बुलाया जाएगा। राहुल गांधी ने पत्र एक्स पर साझा करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण समय में भारत को यह दिखाना होगा कि हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एक साथ खड़े हैं। उन्होंने पत्र में कहा, पहलगाम में हुए आतंकी हमले से हर भारतीय आक्रोशित है।

कांग्रेस अपने संगठन पर ध्यान दे : शिवसेना

नई दिल्ली। शिवसेना ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कांग्रेस के कई नेताओं द्वारा व्यक्त किए गए विवादास्पद विचारो को लेकर विपक्षी पार्टी से कहा कि वह संसद के विशेष सत्र की मांग करने से पहले अपने संगठन की ओर ध्यान दे और उसमें सुधार करें। भाजपा की सहयोगी पार्टी शिवसेना के संसदीय दल के अध्यक्ष श्रीकांत शिंदे ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे तत्काल एआईसीसी का सत्र बुलाकर अपने वरिष्ठ नेताओ द्वारा दिए गए बेहद आपत्तिजनक बयानो पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। इन वक्तव्यों मे पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितो के बयानो पर सवाल उठाना और पाकिस्तान के विमर्श को दोहराना शामिल है।

देश में अभी राजनीतिक एकजुटता होनी चाहिए : मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- सरकार के हर कदम के साथ खड़े हों सभी दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को राजनीतिक एकजुटता का आह्वान किया और सभी राजनीतिक दलों से बयानबाजी करने के बजाय सरकार की कार्रवाई का समर्थन करने का आग्रह किया।

मायावती ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सभी पार्टियों को एकजुट होकर सरकार के हर कदम के साथ खड़े होना चाहिए ना कि इसकी आड़ में पोस्टरबाजी व बयानबाजी कर घिनौनी राजनीति की जानी चाहिए क्योंकि लोगों में भ्रम पैदा हो रहा है जोकि देशहित में ठीक नहीं है।''बसपा प्रमुख ने एक अन्य पोस्ट में इस मुद्दे में डॉक्टर बीआर आंबेडकर का नाम घसीटे जाने के खिलाफ पार्टियों को चेताया। उन्होंने लिखा कि इस प्रकरण में भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर का भी अपमान कतई ना किया जाए। खासकर सपा एवं कांग्रेस को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए अन्यथा बसपा इनके विरुद्ध सड़कों पर भी उतर सकती है।

सिसोदिया और सत्येंद्र जैन की बढ़ीं मुश्किलें

» एंटी करप्शन ब्रांच ने दर्ज की एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और दिल्ली के पूर्व मंत्रियों मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ राजधानी भर के सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के एक बड़े घोटाले के सिलसिले में मामला दर्ज किया है।

एसीबी के अनुसार, यह घोटाला करीब 2,000 करोड़ रुपये का है, जो आप सरकार के कार्यकाल के दौरान 12,748 कक्षाओं और संबंधित इमारतों के निर्माण से जुड़ा है। सक्षम प्राधिकारी से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद एसीबी ने मामला दर्ज किया।

कोलकाता के होटल में आग लगी 15 लोगों की मौत

» 22 लोगों को बचाया, छत-खिड़की से कूदे लोग एसआईटी करेगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता के फालपट्टी मछुआ इलाके में एक होटल में आग लगने से 15 लोगों की मौत और 13 लोग घायल हो गए। आग पर काबू पा लिया गया है। 22 लोगों को बचाया गया।पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में 2 महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है। वहीं, 12 पुरूष मृतकों में से 8 की पहचान कर ली गई है। पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने बताया- आग ऋतुराज होटल में रात करीब 8:15 बजे लगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव का काम शुरू किया।

अब तक 14 शव निकाले जा चुके हैं। हादसे की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि होटल की चौथी मंजिल पर लगे बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। घटनास्थल पर मौजूद एक शख्स ने बताया कि जान बचाने के लिए कई लोग होटल की छत और खिड़कियों से कूदते नजर आए। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। पीएम ने कहा, लोगों की मौत की खबर से बहुत दुखी हूं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।